

शिक्षा के माध्यम से युवाओं की भावनात्मक बुद्धि पर प्रभाव

डॉ. अनीता सोनी, प्राचार्य, श्री जैन टी.टी. कॉलेज, अलवर एवं डीन (शिक्षा संकाय) राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि भावनात्मक बुद्धि व्यक्ति का एक महत्वपूर्ण कौशल है जो कि उसे आगे बढ़ने में मदद करता है।

मनोवैज्ञानिक के मापन के अनुसार प्फ की अपेक्षा म्फ का अधिक महत्व है इसलिए शिक्षा इस प्रकार का माध्यम है कि जो बालक के म्फ में परिवर्तन करता है।

हम सभी को विदित है कि वर्तमान परिवेश में जन्म से लेकर वृद्धावस्था तक सभी प्राणी तनाव ग्रस्त है, कुंठा ग्रस्त है, असंतुष्ट है इत्यादि, जिन सबका कारण शिक्षा का अभाव।

शिक्षा का अर्थ है सीखना, ज्ञान देना, मार्ग प्रशस्त करना जिसके माध्यम से तनावग्रस्त व निराश्रित भावनाओं से ग्रसित छात्रों एवं युवाओं के मन से नकारात्मक विकार निकाले जाते हैं व सकारात्मक सोच को महत्व दिया जाता है तभी भावनात्मक बुद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकेगा।

भावनात्मक बुद्धि के द्वारा हम स्वयं की और दूसरों की भावनाओं को समझने में दक्ष हो सकते हैं अर्थात् जिस बालक / व्यक्ति का भावनात्मक भाग अधिक मजबूत होगा वह व्यक्ति बदलते पर्यावरण के साथ शीघ्र समायोजन स्थापित कर सकेगा।

